रात्रीक्लास ओमशांति 30.9.67

बाप जो इतना समझाते हैं जो फिर और कुछ समझने की रहता नहीं है। जब सभी कुछ जान लेते हैं। कर्मातीत अवस्था को पाय लेते हैं। बाप ने पिछाड़ी में कहा है अब सब कुछ समझ लिया है। अब कुछ समझने का रहता नहीं है जो समझावें। अभी समझा जाता है अजुन समझाने का है। लड़ाई आदि सभी सिखाया है। अंत की बातें हैं। जो कहते हैं सब कुछ समझ लिया, आदि,मध्य,अंत का राज समझाय लिया, बाकी समझाने का कुछ है नहीं। बाकी मैं बैठ क्या करूं?सा. आदि बहुत होनी है। लड़ाई में भी समय लगता है। अमेरिका वाले कहते हैं इतने बम्स तैयार हो जावेंगे। एक तरफ बंद करने की बातें करते, एक तरफ फिर कहते हैं इतने बम्स तैयार हो जावेंगे। तैयार कर लिए होंगे। दुनियां को तो खलास होना ही है ना। यह है समझ की बात। जरूर विनाश होना है। ऐसे नहीं कि चीज रखने लिए बनाते हैं। यह तो बम्स हैं कितना खर्चा लगता है। बनाने वालों के तलब बहुत रहते हैं। तुम जानते हो विनाश जरूर होना ही है। जास्ती टाइम भी नहीं लगना है। अनन्य बच्चे जानते हैं याद करते2 आखरीन कर्मातीत अवस्था नम्बरवार हो जावेगी। पिछाड़ी में बहुत सा. होंगे। बुद्धि में है सतयुग में क्या होना है। त्रेता में क्या होता है। जो अच्छी रीति पुरुषार्थ करते हैं ,विचार–सागर–मंथन करते हैं कैसे समझावें। विश्व में शांति का भी राज्य था ना। यह है विश्व में राज्य। तुम यह सीढ़ी,लक्ष्मी–नारायण के चित्र ले जावेंगे। विश्व में शांति का राज्य स्थापन हो रहा है। बाप ब्रह्मा द्वारा राजधानी की स्थापना करते हैं। बाकी अनेक धर्मों के विनाश होंगे। यह बहुत ईजी है। आखरीन यह सन्यासी भी तुम्हारे चरणों में झुकेंगे। बरोबर यह सच्ची2 बातें हैं। महाभारत लड़ाई का शास्त्रों में वर्णन है। जिसके साथ गीता तैलक है। गीता और महाभारत। बाप कहते हैं बरोबर मैं राजयोग सिखाय रहा हूं। आगे चल समझते ,वृद्धि को पाते रहेंगे। युक्तियां बाप बतलाते रहते हैं। बाप को जो मुरली चलानी है चलाते ही रहते हैं। तुम बच्चों को धारण करनी है। नोट करना है। बाबा तो कोई से बात भी नहीं करते। बाबा समझाते हैं कुछ भी समझ न सकेंगे। पहले तो समझाना पड़े बाप कल्प2 आते हैं। कहते हैं 5000वर्ष बाद आय भारत को स्वर्ग बनाता हूं। भारत में इन्हों का राज्य था तो सुखधाम था ना। बाबा सुनाते हैं उस रीत लिखो। इस समय इतने करोड़ मनुष्य हैं। सतयुग में कितने थोड़े होंगे। फिर रचता और रचना के चक्र का राज समझाते हैं। चित्र भी बनाते रहते हैं। नये चित्र बनाये ,ऐसा समझावें जो समझे हम भारतवासी ही 84जन्म लेते हैं। चक्र लगाते ही रहते हैं। भारत कैसे हेल था, हेविन बनता है। यह अच्छी रीत समझाना है। अभी हेल है। सभी नर्कवासी हैं। बाप आये हैं। ब्रह्माकुमारियों द्वारा भारत को स्वर्ग बनाय रहे हैं। यह एमऑब्जेक्ट कितनी क्लीयर है। बाबा को बहुत खुशी होगी। देहली में 5म्यूजियम हो तो बड़ी बात नहीं। नाम तो है ना पांडव सम्प्रदाय, कौरव सम्प्रदाय। ताज कोई को नहीं। यह है गीता। गीता को ही जानते हो। और तो कोई नहीं जानते। भगवान ने राजयोग सिखाया है। यह तुम ही जानते हो। बहुत थोड़े हैं जिनको सर्विस का शौक है। युक्ति ऐसी रचनी चाहिए। सर्विस ऐसी करे जो देहली में नाम हो जाये यह ब्रह्माकुमारियां ही सर्विस कर रही हैं। बाकी सभी डिससर्विस करते हैं। बच्चे ऐसे कमाल कर दिखावें जो मनुष्य देख खुश हो जाये। अभी तो कुछ है नहीं। नाम तो बाला होना ही है। इस समय सभी बच्चों में नम्बरवन यह (ईंद्र) जाय रहा है। सर्विस का बहुत शौक है। भागकर आया है बाबा पास। इनको बहुत2 उमंग है। इतना सभी को उमंग होना चाहिए। सारे देहली में यह चित्र (लक्ष्मी–नारायण) उठावेंगे। इनका राज्य स्थापन हो रहा है। रचता और रचना के आदि,मध्य,अंत के ज्ञान से यह स्थापना हो रही है। क्लीयर कर बताना है। भक्ति बिल्कुल ही अलग है। भक्ति है दुर्गति। यह है ही हेल। हेविन भी था ना। मनुष्यों को पता थोड़े ही है। यह लक्ष्मी–नारायण स्वर्ग के मालिक थे। कुछ भी नहीं जानते। बिल्कुल ही अंधश्रद्धा है। देहली में तो बहुत आते हैं नां सभी से बताना चाहिए यह स्थापन हो रहा है। ब्रह्माकुमारियां श्रीमत पर यह स्थापन कर रही हैं। गवर्मेंट हाउस में एकदम यह रख दो। प्रॉमिनेन्ट प्लेस में यह चित्र रखना

चाहिए। बच्चों में बहुत सर्विस का शौक होना चाहिए। भागना चाहिए। इनको सर्विस का बहुत फिक्र है। और किसी को इतना फिक्र नहीं दिखता है। नाम निकल जावेगा तो जमीन आदि भी छोड़ देंगे। बच्चों को सर्विस का बहुत शौक होना चाहिए। रहमदिल होना चाहिए। सभी के दुःख दूर हो जायें। बड़े2 सन्यासी आदि कुछ नहीं जानते। उल्टा रास्ता बताते हैं। मूल बात है गीता का भगवान कृष्ण नहीं। इसमें जीत लिया तो नाम बहुत बाला हो जावेगा। गीता का बहुत मान है। फिर भी सभी को सदगतिदाता बाप है। अच्छा, गुडनाइट। 29.9.67 रात्रीक्लास– यह है अमूल्य खजाना। बाबा लिखते भी हैं तुम अभी सुखधाम के पदमपति विश्व के मालिक बन रहे हो तो पढ़ाई में ध्यान देना चाहिए। ....सब प्वाइंट्स याद न आये तो भी 84का चक्र पूरा होता है। अभी याद करते2 हम पवित्र बन शांतिधाम घर जाय पहुंचेंगे। फिर सुखधाम में आवेंगे। यह याद करना बहुत सहज है। पुरानी दुनियां से है वैराग्य। कहां भागना नहीं है। जितना हो सके भविष्य के लिए जमा भी करना है। दान–पुण्य करते हैं, दूसरे जन्म लिए जमा होता है। यहां 21जन्मों लिए जमा होता है। यह है युक्तियुक्त दान। पापात्मा को देने फिर पाप चढ़ जाता है। अज्ञान काल में भी दान सम्भाल के दिया जाता है। यह तो भारत को स्वर्ग बनाना है। उसके लिए ही तुम बाप के मददगार बनते हो। जितना मददगार बनेंगे ,दैवी गुण धारण करेंगे तो उंच मर्तबा मिलेगा। यह भी समझना है हम कितना भाग्यशाली हैं। जो बाप पढ़ाते हैं। हम पदमपति बनते हैं। इस गुप्त नालेज को धारण करना है। जो बाप में ज्ञान है वह ही बच्चों को देते हैं। बाप की आत्मा तो सदैव पवित्र शांत है और वह प्यार का सागर है। आकर बच्चों को प्यार से सम्भालते हैं। पढ़ाते हैं। हर 5000वर्ष बाद हमको बाप,टीचर,गुरू तीनों रूप से एक ही पढ़ाते हैं। वह तीनों अलग2 होते हैं। यह एक ही बाप है,जो तीनों वर्सा देते हैं। बाप का ,टीचर का,सदगुरू का। बाप कोई फोटो आदि भी नहीं देते हैं। कहते हैं मैं तुम्हारा बाप हूं। तुम सभी को शांतिधाम–सुखधाम ले जाउंगा। यह याद कर हर्षित रहना है। भल पिछाड़ी का जन्म है। हिसाब–किताब है जो लेन–देन होती है। एक/दो के देखा तो सभी देते हैं ना। बाप समझाते हैं कोई भी पाप न करना है। तुम पुण्यात्मा बनते हो। अगर पाप हो भी तो बाप को बताना चाहिए। बच्चों को मालूम नहीं रहता है हमने पाप किया है। हर एक बात में बाप से पूछना चाहिए। मूंझने की दरकार नहीं है। सच्चा2 फिल्म सभा यह है। एक ही फिल्म है 5000वर्ष का। इस पर भी बाबा समझावेंगे। म्यूजियम फिल्म सभा नाम रख सकते हैं। रुहानी म्यूजियम फिल्म सभा, इनका अर्थ कोई जानते नहीं हैं। स्प्रीचुअल नाम किसका है यह भी कोई जानते नहीं हैं। बच्चों को अंदर में युक्तियां रचनी चाहिए। कैसे किसको स्वर्ग का रास्ता बतावें। बाबा मिसल कल्याणकारी बनें। तुम्हारे साथ बाप मददगार है। तुम हो सच्चे खुदाईखिजमतगार। यह फिकर होना चाहिए। हम गुप्त सेना हैं। हम भारत को कल्प2 स्वर्ग बनाते हैं। दैवी गुण भी धारण करनी है। इसलिए चार्ट रखना अच्छा है। किसको दुःख तो नहीं दिया। कितना बाप को याद किया। और सभी नशों में है नुकसान। एक नशा बाप को याद करने का रहना चाहिए। तुम जानते हो भक्तिमार्ग में बहुत याद किया है। अब बाप कहत हैं मैं आया हूं। तुम भी कहते हो हम भी वह ही हैं। आप भी वह ही हो बाबा हम आपे से स्वर्ग का वर्सा लेते हैं। इसमें गफलत मत करो। जास्ती सर्विस करने वाले पद भी उंच पावेंगे। सच्ची2 विश्व की सेवा तुम करते हो। विश्व को नर्क से स्वर्ग बनाय देते हो। तुम्हारी कितनी महिमा है। बाप कहते हैं रहम मांगो नहीं। अपने पर आपे ही रहम करो। माया भी बड़ी दुस्तर है। 8/10वर्ष पवित्र रहने वालों को भी घुसा मार गिराय देती है। तुम्हारी माया से युद्ध है। गफलत करने से हराय देते हैं। बड़ी मंज़िल हैं सेंटर में जो भी बच्चियां 2/4मास लिए सर्विस में मदद दे सकती हैं वह अपना नाम भेज दें। प्रदर्शनी में सर्विस कर सकती हो और ब्राह्मणी का भी सर्टीफिकेट चाहिए कि वहां यह सर्विसकर सकते हैं?ऐसे नहीं कि सीखेंगे। सीखने की बात नहीं। प्रदर्शनी अथवा म्यूजियम में तो समझाने वाली बहुत होशियार चाहिए। बाबा को बहुत सयानी चाहिए। ओम।